विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

विश्व बैंक ने लगाई मुहर : मोदी ने भेदा गरीबी के चक्रव्यूह का मायाजाल

सीमावर्ती क्षेत्रों में भारी तनाव और युद्ध की आशंकाओं के बादल मंडराने के मध्य भारत में गरीबी के मोर्चे पर वर्ल्ड बैंक से एक अच्छी खबर आई है। देश में गरीबी तेजी से घट रही है और इससे आंकड़ों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। वर्ल्ड बैंक की इस ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने पिछले दस साल में गरीबी को कम करने में बड़ी सफलता हासिल की है। यह भी कहा जा सकता है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दस सालाना मेहनत आखिर रंग लाई, जब विश्व बैंक ने भारत में गरीबी के मायाजाल के चक्रव्यूह को तोड़ने में सफलता हासिल करने पर अपनी मुहर लगा दी। वर्ल्ड बैंक की यह रिपोर्ट मोदी के गरीबी कम करने के दावों की पुष्टि करता है। अस्सी करोड़ गरीबों को खाद्य सहायता प्रदान करने वाले भारत की गरीबी पर लगातार हो रहे सर्वे और अध्ययन रिपोर्टों का गहनता से अवलोकन और विश्लेषण करें तो पायेंगे, अब तक देश गरीबी से मुक्त हो गया होगा। जब भी गरीबी से मुक्ति की कोई रिपोर्ट आती है तो हमारी ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहता की हम गरीबी के अभिशाप से मुक्त हो रहे है। लगता है हमारे देश की गरीबी किसी मायाजाल से कम नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार 2011-12 में देश में अत्यधिक गरीबी 16.2 प्रतिशत थी जो 2022-23 में घटकर 2.3 प्रतिशत पर आ गई है। अत्यधिक गरीब का मतलब ऐसे लोगों से है जिनका रोजाना खर्च 2.15 डॉलर (करीब 180 रुपये) से भी कम है। यह खबर हमारे लिए सुकूनदायी कही जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। गांवों में अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह शहरों में यह आंकड़ा 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत रह गया है। पाँच सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों--उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश--में 2011-12 में देश के 65 प्रतिशत अति गरीब रहते थे और 2022-23 तक अत्यधिक गरीबी में कुल गिरावट में दो-तिहाई का योगदान दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब निम्न-मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में आ गया है। इसका मतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था पहले से बेहतर हुई है। स्वतंत्र विश्लेषक इसे किसी चमत्कार से कम नहीं आंकते है। यह पिछले दशक की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है।

दुनिया भर में गरीबी की स्थिति आज भी बेहद चिंताजनक है। हमारे देश की बात करें तो आजादी के 78 सालों के बाद भारत में गरीब और गरीबी पर लगातार अध्ययन और खुलासा हो रहा है। पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन के प्रयास जरूर सिरे चढ़े है। भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है।

गौरतलब है वर्ष 2024 में सरकारी रिपोर्ट में पिछले नौ वर्षों में भारत में करीब 25 करोड़ लोगों के गरीबी के अभिशाप से मुक्त होने का दावा किया गया था वहीं भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में पहली बार ऐतिहासिक रूप से गांवों में गरीबी में तेजी से कमी आई है और एक साल के भीतर यह 5 फीसदी से नीचे आ गई है। यह मुख्य रूप से सरकारी सहायता कार्यक्रमों के प्रभावों के कारण संभव हुआ है। यह भी कहा गया कि मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास पर खास ध्यान दिया है। इसका असर जमीन पर दिख रहा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट 2024 की बात करे तो भारत का स्थान 127 देशों में 105वां है। हालांकि पिछले सालों की तुलना में वर्ष 2024 में भारत की रैंक में सुधार हुआ है। वर्ष 2023 में भारत कुल 125 देशों में से 111वें स्थान पर था। हालांकि, सरकार ने त्रुटिपूर्ण कार्यप्रणाली का हवाला देते हुए इस सूचकांक में भारत के प्रदर्शन का विरोध किया था।

एसबीआई रिसर्च के पेपर में कहा गया है कि ग्रामीण गरीबी 2023-24 में घटकर 4.86 फीसदी हो जाएगी, जो पिछले साल 7.2 फीसदी थी। 2011-12 में यह 25.7 फीसदी थी। इस बीच शहरी क्षेत्रों में 2024 में साल-दर-साल गिरावट धीमी रही। एसबीआई रिसर्च ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में यह 4.09 फीसदी थी, जबकि पिछले साल यह 4.60 फीसदी थी। रिपोर्ट में ग्रामीण गरीबी में तेज कमी का श्रेय निम्न आय वर्ग के बीच खपत वृद्धि को दिया गया है, जिसे मजबूत सरकारी समर्थन से बल मिला है। शहरी गरीबी में भी तेजी से कमी आई है, जो अब 4.09 फीसदी होने का अनुमान है, जो 2011-12 में 13.7 फीसदी थी। रिपोर्ट में कहा कि ग्रामीण गरीबी अनुपात में तेज गिरावट महत्वपूर्ण सरकारी सहायता के साथ कंजम्पशन ग्रोथ का नतीजा है।

दुनिया भर में गरीबी की स्थिति आज भी बेहद चिंताजनक है। हमारे देश की बात करें तो आजादी के 78 सालों के बाद भारत में गरीब और गरीबी पर लगातार अध्ययन और खुलासा हो रहा है। पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन के प्रयास जरूर सिरे चढ़े है। भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाना, सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। मातृ स्वास्थ्य का समाधान करने वाले विभिन्न कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन वितरण, सौभाग्य के माध्यम से बिजली कवरेज में सुधार, और स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसे परिवर्तनकारी अभियानों ने सामूहिक रूप से लोगों की रहने की स्थिति और समग्र कल्याण की स्थिति में सुधार किया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री जन धन योजना और पीएम आवास योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन और वंचितों के लिए सुरक्षित आवास प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे बुनियादी सेवाओं तक पहुंच में आने वाली मूलभूत समस्याओं का तेजी से समाधान हो रहा है ताकि देश एक विकसित राष्ट्र यानी विकसित भारत 2047 बनने की ओर अग्रसर हो सके। सरकारी स्तर पर यदि ईमानदारी से प्रयास किये जाये और जनधन का दुरूपयोग नहीं हो तो भारत शीघ्र गरीबी के अभिशाप से मुक्त हो सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 1 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र दिन 12:21 तक, अतिगंडयोग प्रातः 8:34 तक, विष्टि करण दिन 11:24 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 2:21 तक है। भद्रा दिन 11:24 तक रहेगी। आज विनायक चतुरथी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:30 तक, चर 10:46 से 12:24 तक, लाभ अमृत 12:24 से 3:34 तक, शुभ 5:13 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 6:55

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां अभी बनी रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन
व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

क्या 'ई-लाइब्रेरी' रीडर्स को राहत प्रदान कर पाएगी...

अविनाश जोशी

किताबों के शौकीन लोगों के लिए ऑनलाइन यानी ई-लाइब्रेरी किसी तोहफे से कम नहीं है। आज के युग में डिजिटल मोड से जुड़े लर्निंग के सभी साधनों का उपयोग हमें स्पर्धा में आगे रखेगा। मोबाइल क्रांति के इस युग में ई-लाइब्रेरी के फैलाव से हम सबके लिए ई-लर्निंग में एक नई क्रांति की शुरुआत होगी...

आज के डिजिटल युग में सूचना और ज्ञान की पहुँच को आसान और सुलभ बनाना समय की आवश्यकता बन गई है। इसी दिशा में भारत सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में ई-लाइब्रेरी (ई-पुस्तकालय) की शुरुआत की गई जो रीडर्स यानी पाठकों को कहीं से भी, कभी भी किताबें पढ़ने की सुविधा प्रदान कर सकती है।

ई-लाइब्रेरी का अर्थ एक ऐसी लाइब्रेरी से है जहां पर डिजिटल रूप से सूचना और अध्ययन सामग्री एक्सेस की जाती है। इस लाइब्रेरी में इंटरनेट कनेक्शन के द्वारा कंप्यूटर या फिर एंड्राइड मोबाइल के द्वारा हम कहीं पर भी देश के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी समय अपने अनुसार सूचना तथा अध्ययन सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या स्त्रोतों जैसे कम्प्यूटर, मोबाइल, टीवी, रेडियो आदि के माध्यम से कई प्रकार कि सूचनाएं तथा विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त करना ई-लाइब्रेरी का भाग है। ई-लाइब्रेरी में सभी स्तर के अनुसार अधिगम सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। इसमें आप प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक तथा अनुसंधानकर्ताओं के लिए भी हर प्रकार की सामग्री उपलब्ध रहती है। ई-लाइब्रेरी अनुसंधान कार्य को अत्यंत सरल बना देती है क्योंकि इसके द्वारा समस्त प्रकार की अधिगम और अनुसंधान संबंधित सूचनाएं तथा लिखा हुआ लेख अधिगमकर्ताओं तक बहुत ही आसानी से पहुंच जाता है। ई-लाइब्रेरी द्वारा अधिगम या ज्ञान प्राप्त करने के लिए कुछ माध्यमों की आवश्यकता होती है, जैसे कंप्यूटर, मोबाइल फोन, बहु माध्यम नेटवर्किंग आदि। इन सभी की सहायता से ई-लाइब्रेरी बहुत ही सरल और आसान बन गई है। ई-लाइब्रेरी ऑनलाइन लाइब्रेरी का ही एक प्रारूप है। यह उन लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी है जिनके पास समय की कमी है। इन लोगों के पास यह सुविधा होती है कि वे ऑनलाइन किताबें पढ़ सकें। इसमें उन्हें पन्ने पलटने की भी जरूरत नहीं होती। सरकारों को ई-लाइब्रेरी की सुविधा विकसित करने के लिए काम करना चाहिए और फंडिंग के लिए आगे आना चाहिए। स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों में छात्रों के लिए यह वरदान है। ई-लाइब्रेरी से आपको बाजार में आई नई किताबों के बारे में जानकारी मिल जाती है। आपके मनपसंद लेखक की कौन सी नई किताब आई, इसके बारे में आपको पता लग जाता है।

ई-लाइब्रेरी निःसंदेह एक क्रांतिकारी पहल है जो आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए समाज को ज्ञान से जोड़ने का कार्य करेगी। इससे न केवल पुस्तकों तक पहुँच आसान होगी, बल्कि ज्ञान की दुनिया में एक नया द्वार भी खुलेगा। भारत में हिंदी भाषी पाठकों की संख्या करोड़ों में है, लेकिन अब तक डिजिटल संसाधनों में हिंदी में सामग्री की उपलब्धता सीमित रही है। ई-लाइब्रेरी इस अंतर को पाटने का कार्य करेगी। अब पाठकों को प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, हरिवंश राय बच्चन, धर्मवीर भारती जैसे हिंदी साहित्यकारों की कृतियाँ डिजिटल रूप में पढ़ने को मिलेंगी। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को हिंदी माध्यम में अध्ययन सामग्री, गाइड, प्रश्न बैंक आदि भी इस लाइब्रेरी के माध्यम से उपलब्ध होंगे। भारत सरकार की नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (NDLI) और डिजिटल भारत जैसे अभियानों के अंतर्गत भी हिंदी कंटेंट पर जोर दिया जा रहा है।

हिंदी ई-पुस्तकों की यह पहल भाषाई समानता और संस्कृति के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिससे हिंदी भाषी समुदाय के पाठकों को डिजिटल युग में सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। भारत में डिजिटल इंडिया, नई शिक्षा नीति (NEP 2020), और ग्रामीण डिजिटलीकरण जैसे अभियानों के साथ ई-लाइब्रेरी का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल प्रतीत होता है। जैसे-जैसे इंटरनेट की पहुँच गाँवों तक विस्तारित हो रही है और स्मार्टफोन उपयोगकर्ता बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे डिजिटल पुस्तकालयों की उपयोगिता और माँग भी तेज़ी से बढ़ेगी। इस मुहिम को मजबूती देने हेतु सरकार और निजी संस्थाएँ मिलकर ई-लाइब्रेरी को और समृद्ध बना रही हैं- जैसे नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (NDLI), eGranthalaya, Bharatavani जैसी पहलें यू ही लाखों डिजिटल संसाधन मुफ्त में उपलब्ध करा रही हैं। भविष्य में इन ई-लाइब्रेरी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML) जैसी तकनीकों का प्रयोग कर पाठकों को उनके रुचि और ज़रूरत के अनुसार पुस्तकें सुझाई जा सकेंगी। इसके अलावा, स्थानीय भाषाओं में सामग्री को बढ़ावा देकर यह पहल देश की भाषाई विविधता को भी सम्मान देगी।

भारत में ई-लाइब्रेरी सिर्फ एक तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि यह ज्ञान के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक सशक्त पहल है, जो आने वाले समय में शिक्षा, शोध और सांस्कृतिक जागरूकता के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है।

मोबाइल ऐप की मदद से भी ई-लाइब्रेरी को और अधिक सुलभ और प्रभावशाली बनाया जा सकता है। आज के समय में स्मार्टफोन हर हाथ में है, और इसी तकनीक का लाभ उठाते हुए ई-लाइब्रेरी सेवाएँ अब मोबाइल ऐप्स के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे पाठक कहीं भी और कभी भी किताबें पढ़ सकते हैं–चाहे वे घर पर हों, यात्रा में या किसी ग्रामीण क्षेत्र में। इन मोबाइल ऐप्स में सरल यूज़र इंटरफेस, ऑफलाइन पढ़ने की सुविधा, बुकमार्किंग, नोट्स जोड़ने और भाषा चयन जैसी सुविधाएँ दी जाती हैं, जो पाठकों के अनुभव को बेहतर बनाती हैं। हिंदी भाषी उपयोगकर्ताओं के लिए भी अब कई ऐप्स में समर्पित हिंदी सेक्शन मौजूद हैं, जिससे वे अपनी पसंद की किताबें आसानी से खोज और पढ़ सकते हैं। मोबाइल ऐप्स के माध्यम से पुस्तकें न केवल अधिक लोगों तक पहुँचती हैं, बल्कि युवाओं को पढ़ने की आदत से भी जोड़ती हैं, जो आजकल मोबाइल पर अधिक समय बिताते हैं।

किसी भी समाज के बौद्धिक विकास में शैक्षिक संस्थानों और पुस्तकालयों के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन अफसोसनाक बात यही है कि समाज के विकास में पुस्तकालयों को आज समुचित स्थान नहीं मिल पा रहा है। आजादी के सत्तर साल बाद भी देश में आम जनता तक पुस्तकालयों की पहुंच नहीं बन पाई। उल्टे, हो यह रहा है कि जहां कहीं पुस्तकालय हैं, वे भी वे जर्जर हैं और बदइंतजामी के शिकार हैं। यों तो विभिन्न शैक्षिक समितियों में पुस्तकालयों की महत्ता के गुणगान किए गए हैं, लेकिन हकीकत यही है कि वह एक कोने और कमरों में सिमटा दिखाई देता है। जब भी किसी नगर का निर्माण किया जाता है तो स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक भवन, बाजार आदि की योजना बनाई जाती है। लेकिन पुस्तकालय के लिए कोई जगह नहीं बनाई जाती। आधुनिक शहरों के वास्तुकार मॉल, फास्ट रेल, यातायात के साधन, वातानुकूलित शॉपिंग सेंटर के बारे में तो सोचते हैं, लेकिन ज्ञान-पुस्तकादि के चाहने वालों को दरकिनार कर दिया जाता है। महानगरों में तो पुस्तकालयों की स्थिति ठीक नहीं है।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

सरसों खरीद का सरकारी भुगतान नहीं होने से किसान परेशान

श्रीगंगानगर । यहां सरसों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के बावजूद किसानों को भुगतान में देरी का सामना करना पड़ रहा है। जिलेभर में बड़ी संख्या में किसानों ने सरकार को सरसों बेची है, लेकिन भुगतान प्रक्रिया भंडारण रसीदों की अनुपलब्धता के कारण अटकी हुई है। इससे किसान परेशान हैं और समितियों तथा खरीद केंद्रों के लगातार चक्कर काटने को मजबूर हैं। खरीद के बाद उपज वेयरहाउस में जमा करवाई जाती है, जहां से भंडारण रसीदें जारी की जाती हैं। यह रसीदें भुगतान प्रक्रिया की पहली आवश्यकता होती हैं, लेकिन श्रीगंगानगर जिले में वेयरहाउस प्रबंधन द्वारा अभी तक रसीदें संबंधित संस्थाओं को जारी नहीं की गई हैं। नतीजतन, भुगतान की प्रक्रिया शुरू ही नहीं हो पा रही है। किसानों ने बताया कि उन्होंने सरसों सरकार को बेची, लेकिन भुगतान के लिए अभी तक कोई स्पष्ट समय-सीमा नहीं बताई गई है।

एनटीए ने नीट-यूजी 2025 के प्रवेश पत्र जारी किए

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने बुधवार शाम को नीट यूजी-2025 के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए। नीट यूजी 2025 की ऑफिसियल वेबसाईट पर उपलब्ध लिंक पर कैंडिडेट्स अपने नीट यूजी रजिस्ट्रेशन नंबर तथा पासवर्ड डालकर अपने एडमिट कार्ड को निकाल सकते है। परीक्षा 4 मई को होगी। परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश 11.00 बजे से शुरू हो जाएगा और 1.30 बजे तक चलेगा।

एलन करियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलर पारिजात मिश्रा ने बताया कि एनटीए द्वारा जारी की गई एडमिट कार्ड गाईडलाईन के अनुसार पहले परीक्षा के एडमिट कार्ड कम सेल्फ डिक्लेरेशन अंडरटेकिंग को अच्छे से कंप्लीट करें। इसमें परीक्षार्थी को फोटो (जैसा आवेदन पत्र में अपलोड किया गया) चिपकाना है। परीक्षार्थी अपना एक पोस्टकार्ड साइज फोटो एडमिट कार्ड के साथ संलग्न निर्धारित परफोर्मा में चिपका कर परीक्षा केन्द्र पर साथ लेकर आएं। इसके अतिरिक्त एक समानांतर पासपोर्ट साईज फोटो भी लेकर आएं जोकि अटेंडेंस शीट पर चिपकाने के काम आएगा। परीक्षार्थी को स्वयं के साइन परीक्षक के सामने ही करने होंगे। बाएं हाथ के अंगूठे का इम्प्रेशन घर से लगाकर लाना होगा। आधार कार्ड की ओरिजिनल अपडेटेड कॉपी लाने के बारे में पेज नंबर 3 पर उल्लेखित किया गया है।

ओरिजनल आईडी साथ जरूर लाएं : मिश्रा ने बताया कि परीक्षार्थी ओरिजिनल आईडी जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, वोटर कार्ड अथवा 12वीं क्लास का प्रवेश पत्र जिसमें कैंडिडेट की फोटो आ रही हो, इनमें से कोई सी भी एक आईडी साथ लानी है। फोटो कॉपी किसी भी सूरत में मान्य नहीं होगी। विद्यार्थियों को पेन भी सेंटर पर ही दिया जाएगा। पर्सनल पारदर्शी वॉटर बोतल, और यदि कोई दिव्यांग है तो उससे संबंधित प्रमाण पत्र ले जाने होंगे।

ड्रेस कोड : मिश्रा ने बताया कि परीक्षार्थी कोई भी लाईट कलर ड्रेस पहन सकता है। छात्र ट्राउजर्स या पेंट जिसमें कि कोई मेटल बटन नहीं हो तथा हाफ शर्ट या टी-शर्ट पहन सकते हैं। छात्राएं सलवार कुर्ता, लेगिंग, पेंट या ट्राउजर्स, टी-शर्ट व कुर्ती पहन सकती हैं।

किसी में भी मेटल के बटन नहीं होने चाहिए। पैरों में हाई हील की सैंडल जूते वर्जित हैं, नॉर्मल स्लीपर्स या सामान्य जूते पहन सकते हैं। आभूषण या मेटल की चीजें जैसे ताबिज, कड़ा पहनकर नहीं जाना है।

इन पर रहेगा प्रतिबंध : परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज जैसे केलकुलेटर, मोबाईल फोन, घड़ी, ब्लूटूथ डिवाइस ले जाना वर्जित है। एडमिट कार्ड, पोस्टकार्ड साईज फोटो हेतु निर्धारित परफोर्मा तथा ओरिजनल आईडी कार्ड के अलावा कोई कागज नहीं ले जाया जा सकता।

परीक्षा कक्ष की स्थिति : ओएमआर शीट पर मुख्यतयाः अपना रोल नंबर, पेपर कोड, क्वेश्चन पेपर बुकलेट नंबर तथा व्यक्तिगत विवरण को सबसे ज्यादा ध्यानपूर्वक भरें। ओवल भरते समय पेन की इंक दूसरे ओवल को ओवरलेप नहीं करे और न ही फैल करके ओएमआर को गंदा करे। कटिंग व ओवरराइटिंग, इरेजिंग भी नहीं करें। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी की गाई ।

आखातीज पर बाल विवाह न हो, बूंदी जिला प्रशासन ने रखी पैनी नजर

बाल विवाह मुक्त बूंदी अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन के दल ने सामूहिक विवाह स्थलों का निरीक्षण किया।

बूंदी। जिला प्रशासन बूंदी द्वारा आखातीज (अक्षय तृतीया) के अवसर पर बाल विवाह की संभावनाओं को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती गई। "बाल विवाह मुक्त बूंदी" अभियान अंतर्गत बाल अधिकारिता, महिला अधिकारिता, शिक्षा विभाग, पुलिस, चाइल्ड लाइन 1098, एवं एक्शन एड-यूनिसेफ़ की संयुक्त टीमें जिले भर में सक्रिय रहीं। टीमों ने सामूहिक विवाह आयोजनों में जाकर व्यक्तिगत रूप से वर-वधुओं की आयु प्रमाणित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शैक्षिणक प्रमाण पत्र आदि दस्तावेजों की जांच की। कहीं भी विवाह योग्य आयु से कम आयु का संदेह होने पर मौके पर ही परिजनों से बातचीत कर स्थिति स्पष्ट की गई। टीमों ने आयोजकों को बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 की जानकारी देते हुए सचेत किया कि किसी भी प्रकार का उल्लंघन करने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी बताया गया कि बाल विवाह केवल एक अपराध ही नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास पर भी विपरीत प्रभाव डालता है । सहायक निदेशक, बाल अधिकारिता हुकम चंद जाजोरिया ने बताया कि अभियान की तैयारियां पूर्व से ही विभाग द्वारा सुनियोजित रूप से की जा रही हैं। गाँव-गाँव जाकर नुक्कड नाटकों, पोस्टर, ऑडियो संदेशों और संवाद के ज़रिये जन-जागरूकता फैला कर आम नागरिकों से अपील की है कि बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तत्कालचाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098पर सूचना दें। यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है, जिसे निभाकर हम बच्चों को सुरक्षित और समान अवसरों वाला जीवन दे सकते हैं। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने बताया कि पंचायत समिति स्तर पर जनप्रतिनिधियों, संबंधित विभागों के हितधारकों, व बाल संरक्षण समिति सदस्यों को प्रशिक्षण देने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन बाल कल्याण समिति, बाल अधिकारिता व एक्शन एड-यूनिसेफ़ द्वारा किया गया था जिससे बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम में सशक्त भूमिका निभा सकें। जिसमें एचसीएम रीपा जयपुर से संदर्भ व्यक्ति आये थे ।

इस अवसर पर एक्शन एड ज़िला समन्वयक ज़हीर आलम ने बताया किसाथिनोंद्वारा ग्राम स्तर पर बाल विवाह की रोकथाम हेतु निरंतर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि साथिनें पंचायत स्तर पर समुदाय से संवाद कर रही हैं, किशोरियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित कर रही हैं, और बाल विवाह के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव लाने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही, वे ऐसे परिवारों की पहचान कर समय पर सूचना विभाग को उपलब्ध करा रही हैं, जहाँ बाल विवाह की संभावनाएँ पाई जाती हैं। संरक्षण अधिकारी गोविंद कुमार गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह मुक्त बूंदी अभियान जिला प्रशासन, बाल अधिकारिता, महिला अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस, एक्शन एड-यूनिसेफ आदि का साझा अभियान है जिसके तहत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जिले में किसी भी बालिका या बालक का विवाह 18/21 वर्ष की वैधानिक आयु से पूर्व न हो। इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों, पंचायत स्तर और स्कूलों में भी निरंतर जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर , आउट रीच वर्कर दीपिका वशिष्ठ, चाइल्ड हेल्पलाइन ज़िला समन्वयक राम नारायण गुर्जर, पर्यवेक्षक पिंकी राठौड़, प्रीति बंशीवाल, सुमन बैरवा,जेंडर विशेषज्ञ विनीता अठावाल, सलोनी कुमावत, पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र प्रबंधक पूर्णिमा गौतम, काउंसलर सलोनी शर्मा, अक्षिता मिश्रण, प्रिया मिश्रण आदि उपस्थित रहे।